# हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

## कक्षा-XII विषय: समाजशास्त्र कोड: 585

### MARKING SCHEME

### वर्ष 2023 – 2024

सामान्य निर्देश : -

1. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ट बनाना है। अंक योजना में दिए गए उत्तर अंतिम नहीं है । ये सुझावात्मक एवम् सांकेतिक है। यदि परीक्षार्थी ने इनसे अलग या भिन्न, परन्तु सही या उपयुक्त उत्तर दिया है, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।

   **The objective of the marking scheme is to make evaluation as objective as possible. The answers given in the marking scheme are not final. This is suggestive and symbolic. If the candidate answer different then given answer but it is correct and appropriate, marks should be awarded to student.**

2. सही, शुद्ध, सार्थक व सटीक उत्तरों को यथायोग्य अधिमान दिए जाएँ।
   **Correct, righteous, meaningful and accurate answers should be given due weightage.**
3. परीक्षार्थी द्वारा अपेक्षा के अनुरूप सही उत्तर लिखने पर उसे पूर्णांक दिए जाएँ।
   **Full marks should be given to the candidate for writing the correct answer as expected.**
4. वर्तनीगत अशुद्धियों एवम् विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर परीक्षार्थी को प्रोत्साहित ना करें।
   **Do not encourage the candidate by giving more marks in case of spelling mistakes and digression.**
5. बहु-वैकल्पिक प्रश्न – यदि परीक्षार्थी ने दो प्रयास किये गए है तथा दोनों में से एक सही तथा एक गलत है तो सही वाले प्रयास को सही उत्तर मानते हुए अंक दिए जाएं, और यदि किसी भी उत्तर को काटा नहीं गया है या दोनों उत्तरों को काटा गया है तो भी सही उत्तर को ध्यान में रखते हुए अंक दिए जाएं।
   **Multiple-choice questions – If the candidate has made two attempts and one of them is correct and one is wrong, then marks will be awarded considering the correct attempt as the right answer, and if no answer has been struck off or both Even if the answers have been crossed out, marks should be awarded keeping in view the correct answer.**
6. समस्त मुख्य-परीक्षकों / उप-परीक्षकों को निर्देश दिया जाता है कि उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूर्णतया गलत पाया जाता है तो गलत उत्तर को (x) अंकित कर '0' अंक प्रदान किये जाएं।
   **All the Chief-Examiners/Sub-Examiners are instructed that while evaluating the answer sheets, if the answer is found completely wrong, then the wrong answer should be marked (x) and given '0' marks.**
7. लघुउत्तरात्मक प्रश्नों में जिनमे दो विशेषताएं, बिंदु पूछे गये है यदि परीक्षार्थी ने दोनों बिंदु सही लिखे है, या पांच बिंदु लिखे है जिनमें से कोई भी दो सही हो तो भी दो सही व उचित उत्तरों को सही मानते हुए अंक



Downloaded from cclchapter.com

दिए जाएं।

**In short answer type questions in which two points are asked, if the examinee has written both the points correctly, or has written five points out of which any two are correct, even then marks should be given considering two correct and appropriate answers as correct.**

8. भागवार तथा अंकवार बांटे गए प्रश्न के उत्तर का मूल्यांकन भी भागवार तथा अंकवार ही किया जाना चाहिए, जितना भाग परीक्षार्थी ने सही उत्तर दिया है, उस भाग हेतु निर्धारित पूर्ण अंक प्रदान किये जाएं। वर्णात्मक प्रश्नों के उत्तर जांच करते समय परीक्षक अपने विवेकानुसार अंकन कर सकता है परन्तु परीक्षार्थी को सकारात्मक अंकन किया जाएं।

   **The answer to the question paper distributed part-wise and number-wise should also be evaluated part-wise and number-wise, full marks should be awarded for that part for which the candidate has given the correct answer. While checking the answers to the descriptive type questions, the examiner can mark according to his discretion, but the candidate should be given positive marking.**

9. भाषा-क्षमता एवं अभिव्यक्ति- कौशल पर ध्यान दिया जाएं।

   **Attention should be paid to language-ability and expression-skills.**

10. मुख्य-परीक्षकों / उप-परीक्षकों को उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए केवल सामान्य निर्देश/ मार्गदर्शन उपलब्ध करवाया जा रहा है, यदि मूल्यांकन निर्देश में किसी प्रकार की त्रुटि हो, उत्तर स्पष्ट ना हो, उत्तर निर्देश में दिए गए उत्तर से अलग हो तो परीक्षक, मुख्य परीक्षक से विचार- विमर्श करके उस प्रश्न का मूल्यांकन अपने विवेक अनुसार करें।

    **Only general instructions/guidance is being provided to the Chief-Examiners/Sub-Examiners to evaluate the answer sheets, if there is any error in the evaluation instructions, the answer is not clear, from the answer given in the answer instructions If there is a difference, the examiner, after discussing with the chief examiner, evaluates that question according to his discretion.**

11. प्रश्न पत्र में कुल 14 प्रश्न है। प्रश्न पत्र कुल चार भागों में विभक्त है।

    **There are total 14 questions in the question paper. The question paper is divided into total four parts.**

12. भाग 1 में क्रम संख्या 01 व 2 तक के प्रश्न शामिल है, दोनों प्रश्न 1-1 अंक के है तथा दोनों प्रश्न बहु वैकल्पिक प्रश्न है।

    **Section A consists of questions up to serial number 01 and 2, each questions is carrying 1 mark and both questions are multiple choice questions.**

13. भाग 2 में क्रम संख्या 3 से 8 तक के प्रश्न शामिल है, सभी प्रश्न 2-2 अंक के है सभी प्रश्न अति लघुउत्तरात्मक है, उत्तर अधिकतम 30 शब्दों से अधिक ना हो।

    **Section B consists of questions from serial number 3 to 8, all questions are of 2 marks each, all questions are very short answer type, answer should not exceed the maximum limit 30 words.**

14. भाग 3 में क्रम संख्या 09 से 11 तक के प्रश्न शामिल है, सभी प्रश्न 4-4 अंक के है सभी प्रश्न लघुउत्तरात्मक है, उत्तर अधिकतम 80 शब्दों से अधिक ना हो।

    **Section C includes questions from serial number 09 to 11, all questions are of 4 marks each, all questions are short answer type, answer should not exceed limit maximum 80 words.**



Downloaded from cclchapter.com

15. भाग 4 में क्रम संख्या 12 से 14 तक के प्रश्न शामिल है, सभी प्रश्न 6 -6 अंक के है सभी प्रश्न दीर्घ उत्तरात्मक है, उत्तर अधिकतम 200 शब्दों से अधिक ना हो, प्रश्न सं. 12 का उत्तर गद्यांश की सहायता से दिया जाना है ।

**Section D consists of questions from serial number 12 to 14, all questions carry 6 marks each, all questions are long answer type, answer should not exceed limit 200 words, question no. 12 is to be answered with the help of the passage.**

| प्रश्न सं. | प्रश्न | अंक |
|---|---|---|
| | **भाग – 1**<br>**Section – A** | |
| 1 | जनांकिकी के जनक कौन है ?<br>(अ) अचिले गुलियार्ड<br>(ब) जॉन ग्रांट<br>(स) एडम स्मिथ<br>(द) जोर्ज बनार्ड<br>Who is known as the father of demography?<br>(a) Achille Gulliard<br>(b) John Grant<br>(c) Adam Smith<br>(d) George Bernard | 1 |
| उत्तर | **(ब) जॉन ग्रांट**<br>(b) John Grant | |
| 2 | इन्फ्लूएन्जा महामारी किसके द्वारा फैलती है ?<br>(अ) कवक द्वारा<br>(ब) विषाणु द्वारा<br>(स) जीवाणु द्वारा<br>(द) सभी के द्वारा<br>By whom does the influenza pandemic spread?<br>(a) by fungus<br>(b) by virus<br>(c) by bacteria<br>(d) by all | 1 |
| उत्तर | **(ब) विषाणु द्वारा**<br>(b) by virus | |
| | **भाग – 2**<br>**Section – B** | |
| 3 | स्ववाचक या आत्मवाचक की अवधारणा क्या है ?<br>What is the concept of self-reflexivity? | 2 |
| उत्तर | **दूसरे आपको किस तरह से देखते है, उस आधार पर आप स्वयं को बाहर से कैसे देखते है।**<br>**It develops in the interaction with others through a process that include a person's self efficacy, self image, self concept and self esteem** | |
| 4 | सात्मीकरण की प्रकिया क्या है ?<br>Describe the process of assimilation? | 2 |
| उत्तर | **वह प्रक्रिया जिसमे दो व्यक्ति या समूह या समुदायों की संस्कृति, आचार- विचार, रहन-सहन एक दूसरे के साथ घुलमिल जाते है।**<br>**The process in which two individuals or groups or communities, culture, ethics, living habits get mixed with each other.** | |



Downloaded from cclchapter.com

| | | |
|---|---|---|
| 5 | वस्तुकरण या पण्यीकरण क्या है ? दो उदाहरण बताईये।<br>What is commodification ? Give two examples. | 1 +½+½ |
| उत्तर | **जब कोई वस्तु बाजार में बेची-खरीदी नहीं जा सकती थी परन्तु अब वह बेची –खरीदी जा सकती है – मिट्टी, सेवा, रक्त आदि**<br>**It a Occurs when things that were earlier not traded in the market now become commodities – soil, service, blood etc.** | |
| 6 | सामुदायिक पहचान से क्या तात्पर्य है ?<br>What do you meant by community identity? | 2 |
| उत्तर | **जन्म या अपनेपन पर आधारित होती है ना कि किसी अर्जित योग्यता या उपलब्धि पर – परिवार, जाति , नातेदारी**<br>**community identity is based on birth or affinity and not on any acquired ability or achievement – family, caste, kinship** | |
| 7 | क्षेत्रवाद से क्या तात्पर्य है ?<br>What is regionalism? | 2 |
| उत्तर | **एक विचारधारा जो किसी क्षेत्र विशेष से जुडी होती है जो किसी कारणवश अपने पृथक अस्तित्व के प्रति जागृत है अपनी पृथकता को बनाए रखने का प्रयास करती है।**<br>**An ideology that is associated with a particular region, which is aware of its separate existence for some reason, tries to maintain its separate identity.** | |
| 8 | पंथनिरपेक्षता की अवधारणा क्या है ?<br>What do you meant by secularism? | 2 |
| उत्तर | **किसी एक धर्म या पंथ को विशेष महत्व ना देकर सभी के साथ समान भाव रखना।**<br>**Equal feelings with all not given special importance to any one religion or sect in particular.** | |
| | भाग – 3<br>**Section – C** | |
| 9 | निम्न के बारे में संक्षेप में बताईये -<br>1. सावित्रीबाई फूले<br>2. श्री नारायण गुरू<br>3. अदृश्य हाथ<br>4. विनिमय का बिल या हुण्डी<br><br>Briefly describe the following -<br>1. Savitribai Phule<br>2. Shree Narayana Guru<br>3. Invisible Hand<br>4. Bill of Exchange or Hundi | 1+1+1+1 |



Downloaded from cclchapter.com

| | | |
|---|---|---|
| उत्तर | **सावित्रीबाई फूले –** (3 जनवरी 1831 – 10 मार्च 1897) भारत की प्रथम महिला शिक्षिका, समाज सुधारिका एवं मराठी कवियत्री थीं। उन्होंने अपने पति ज्योतिराव गोविंदराव फुले के साथ मिलकर स्त्री अधिकारों एवं शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए। उन्हें आधुनिक मराठी काव्य का अग्रदूत माना जाता है। 1852 में उन्होंने बालिकाओं के लिए एक विद्यालय की स्थापना की।<br>**श्री नारायण गुरू** - जन्म केरल 28 अगस्त 1885 मृत्यु 20 सितम्बर 1928, मूर्ति पूजा के विरोधी, अद्वेत आश्रम की स्थापना की, केरल में नैयर नदी के किनारे अरुविपूरम में मंदिर बनवाया, विशेष तीर्थ है।<br>**अदृश्य हाथ** - बाजारी अर्थव्यवस्था व्यक्तियों में आदान प्रदान या सौदों का एक लंबा क्रम है जो अपनी क्रमबद्धता के कारण स्वयं एक कार्यशील व स्थिर व्यवस्था की स्थापना करती है । यह तब भी होता है जब करोड़ो के लेन देन में शामिल लोगों में से कोई भी व्यक्ति इसकी स्थापना का इरादा नहीं रखता, बल्कि व्यक्ति अपने लाभ को बढ़ाने की सोचता है । ऐसा करते हुए वो जो भी करता है वों स्वत: ही समाज के या सभी के हित में होता है ।<br>इस प्रकार लगता है की कोई एक अदृश्य बल यहाँ काम कर रहा है जो इन लोगों के लाभ की प्रवृती को समाज के लाभ में बदल देता है एडम स्मिथ इसे अदृश्य हाथ का नाम देते है ।<br>**विनिमय का बिल या हुण्डी-** एक प्रकार का बिल या पर्ची जिसके द्वारा क्रेता विक्रेता व्यापारी को लिखित रूप में किसी निश्चित राशी का भुगतान निश्चित समय पर करने का वचन देता है।<br><br>**Savitribai Phule –** (3 January 1831 – 10 March 1897) was India's first female teacher, social reformer and Marathi poet. Along with her husband Jyotirao Govindrao Phule, she did remarkable work in the field of women's rights and education. She is considered the forerunner of modern Marathi poetry. In 1852 She established a school for girls.<br><br>**Shree Narayana Guru** - Born in Kerala on 28 August 1885 and Died on 20 September 1928. he Opposed idol worship. he founded Advaita Ashram, built temple at Aruvipuram on the banks of river Nayyar in Kerala, it is a special pilgrimage.<br><br>**Invisible Hand** - The market economy is a long sequence of exchanges or deals between individuals, which, due to their systematically, themselves establish a working and stable system. This happens even when none of the people involved in a multi-crore transaction have any intention of establishing it, rather the person thinks of increasing his profit. While doing this, whatever he does is automatically in the interest of the society or everyone.<br>In this way, it seems that some invisible force is working here, which changes the tendency of profit of these people to the benefit of the society. Adam Smith calls it invisible hand.<br><br>**Bill of Exchange or Hundi -** A verbal or written agreement to pay a stated sum used as part of an informal system for transferring money. | |
| 10 | सामाजिक विषमता क्या है ? आदिवासी संघर्ष के कोई तीन प्रमुख बिन्दु समझाईये ।<br>What is social inequality? Explain any three main points of tribal struggle. | 1 + 3 |



Downloaded from cclchapter.com

| | | |
|---|---|---|
| उत्तर | **सामाजिक विषमता** – समाज में कुछ लोगों के पास धन, सम्पति, शिक्षा, स्वास्थ्य, शक्ति जैसे मूल्यवान संसाधन बहुत अधिक है तथा कुछ लोगों के पास बहुत कम है, सामाजिक संसाधनों तक असमान पहुँच ही सामाजिक विषमता है।<br>**आदिवासी संघर्ष** – रोजगार की तलाश, वनों की कटाई, जमीनों को अधिग्रहण, आदिवासी विस्थापित, छतीसगढ़ व झारखण्ड का निर्माण, कलिंग्रगर हत्याकांड आदि।<br>**कोई भी तीन बिन्दु**<br><br>**Social inequality –** Some people in the society have a lot of valuable resources like money, property, education, health, power and some people have very little, unequal access to social resources is social inequality.<br>**Tribal struggle –** search of employment, deforestation, acquisition of lands, displacement of tribal's formation of Chhattisgarh and Jharkhand states etc.<br><br>**Any three points** | |
| 11 | साक्षात्कार क्या है ? साक्षात्कार प्रणाली के तीन-तीन गुण व दोष समझाईये ।<br>What is interview? Explain three merits and demerits of interview system. | 1 + 1½+1½ |
| उत्तर | **साक्षात्कार** – व्यवस्थित विधि जिसमे दो या दो से अधिक लोग किसी विशिष्ट उद्देश्य को सामने रखकर परस्पर संवाद, वार्तालाप, उत्तर-प्रतिउत्तर करते है।<br>लाभ – अमूर्त घटनाओ का अध्ययन, लचीलापन, अधिक विश्वनीय, परिवर्तन सम्भव ।<br>हानि – पूर्वाग्रह की सम्भावना, अधिक श्रम, धन, समय, स्मरण आधारित, त्रुटी की सम्भावना ।<br>**कोई भी तीन गुण व दोष**<br><br>**Interview** – A Systematic method in which two or more people communicate, talk, answer each other while keeping a specific objective.<br>**Advantages** – study of abstract phenomena, flexibility, more reliable, changeable.<br>**Disadvantages** – possibility of biasness, consume more labour, money, time, memory based and possibility of error.<br><br>**Any three merits and demerits** | |
| | भाग – 4<br>**Section – D** | |
| | **प्रश्न संख्या 36 से 38 दीर्घ उत्तरात्मक है इनका मूल्यांकन परीक्षक स्वयं के विवेक के आधार पर करे**<br>**Question number 36 to 38 are long answer type, they should be evaluated at the discretion of the examiner.** | |



Downloaded from cclchapter.com

12

उपनिवेशवाद के आयामों व तीव्रता को समझने के लिए आवश्यक है कि पूंजीवाद की संरचना को समझा जाएं। पूंजीवाद ऐसी आर्थिक व्यवस्था है जिसमें उत्पादन के साधन का स्वामित्व कुछ विशेष लोगों के हाथों में होता है। इसमें अधिक से अधिक लाभ कमाने पर बल दिया जाता है। पश्चिम में पूंजीवाद का प्रारम्भ एक जटिल प्रकिया के फलस्वरूप हुआ। इस प्रकिया में मुख्यरूप से यूरोप द्वारा शेष दुनिया की खोज, गैर यूरोपीय देशों की सम्पति व संसाधन का दोहन, विज्ञान व तकनीक का विकास और इसके उपयोग से उद्योग व कृषि में रुपान्तरण आदि शामिल है। पूंजीवाद को प्रारम्भ से ही गतिशीलता, वृद्धि की सम्भावना, प्रसार, नवीनीकरण, तकनीक और श्रम के बेहतर उपयोग के लिए जाना गया। इन्ही गुणों के कारण पूंजीवाद अधिक से अधिक लाभ सुनिश्चित करता है। पश्चिमी उपनिवेशवाद का पश्चिमी पूंजीवाद के विकास से अन्योन्याश्रित सम्बन्ध है। यही बात औपनिवेशिक भारत के सम्बन्ध में भी कही जा सकती है।

पश्चिमी शिक्षा प्रणाली को भारत में इस उद्देश्य से लाया गया की उससे भारतीयों का एक ऐसा वर्ग तैयार किया जा सके जो ब्रिटिश सता को बनाये रखने में सहयोगी हो सके। परन्तु इसी के कारण भारत में राष्ट्रवादी चेतना एवम् उपनिवेश विरोधी चेतना का उदय हुआ।

1. उपनिवेशवाद के आयामों व तीव्रता को समझने के लिए क्या आवश्यक है ? 1
2. यूरोप में पूंजीवाद के उदय की प्रकिया में क्या क्या शामिल था ? 1
3. पूंजीवाद अधिक से अधिक लाभ किस कारण से सुनिश्चित करता है ? 1
4. औपनिवेशिक भारत का तात्पर्य क्या है ? 1
5. भारत में राष्ट्रवाद के उदय का मुख्य कारण क्या था ? 1
6. पश्चिमी शिक्षा प्रणाली को भारत में लाने का उदेश्य क्या था ? 1

To understand the dimensions and intensity of colonialism, it is necessary to understand the structure of capitalism. Capitalism is such an economic system in which the ownership of the means of production is in the hands of a few special people. In this, the emphasis is on earning maximum profit. Capitalism started in the West as a result of a complex process. This process mainly includes exploration of the rest of the world by Europe, exploitation of property and resources of non-European countries. development of science and technology and transformation into industry and agriculture is its main use. From the very beginning Capitalism is known for its dynamism, potential for growth, expansion, innovation, better utilization of technology and labour. Due to these qualities, capitalism ensures maximum profit. Western colonialism has an interdependent relationship with the development of Western capitalism. The same thing can be said in relation to colonial India as well.

The western education system was brought to India with the aim of creating such a class of Indians who could be helpful in maintaining the British power. But because of this, nationalist consciousness and anti-colonial consciousness emerged in India.

1. What is necessary to understand the dimensions and intensity of colonialism?
2. What was involved in the process of rise of capitalism in Europe?
3. Why does capitalism ensure maximum profit?
4. What do you meant by colonial India?
5. What was the main reason for the rise of nationalism in India?
6. What is the purpose of bringing western education system in India?



Downloaded from cclchapter.com

| | | |
|---|---|---|
| उत्तर | 1. पूंजीवाद की संरचना को समझा जाएं।<br>2. यूरोप द्वारा शेष दुनिया की खोज, गैर यूरोपीय देशों की सम्पति व संसाधन का दोहन, विज्ञान व तकनीक का विकास और इसके उपयोग से उद्योग व कृषि में रुपान्तरण आदि।<br>3. गतिशीलता, वृद्धि की सम्भावना, प्रसार, नवीनीकरण, तकनीक और श्रम के बेहतर उपयोग।<br>4. भारत पर दूसरे देशों का अधिकार।<br>5. पश्चिमी शिक्षा प्रणाली ।<br>6. भारतीयों का एक ऐसा वर्ग तैयार किया जा सके जो ब्रिटिश सता को बनाये रखने में सहयोगी हो सके।<br><br>1. Understand the structure of capitalism.<br>2. Discovery of the rest of the world by Europe, exploitation of property and resources of non-European countries, development of science and technology and transformation into industry and agriculture etc.<br>3. Mobility, potential for growth, expansion, innovation, better utilization of technology and labour.<br>4. Rule of British empire on India.<br>5. Western Education System.<br>6. To created a class of Indians which can be helpful in maintaining the British power. | |
| 13 | जनसांख्यिकीय क्या है ? माल्थस के जनसंख्या सिद्धान्त को समझाइएं ।<br>अथवा<br>टिप्पणी करें –<br>1. जीवन प्रत्याशा व जन्म दर<br>2. प्रजनन दर व जनसंख्या संवृद्धि दर<br>3. कार्यशील जनसंख्या व पराश्रित वर्ग<br><br>What is demography? Explain the population theory of Malthus.<br>Or<br>Make a comment -<br>1. Life expectancy and birth rate<br>2. Fertility rate and population growth rate<br>3. Working population and dependent class | 2 + 4<br><br><br>1+1<br>1+1<br>1+1 |



Downloaded from cclchapter.com

| | | |
|---|---|---|
| उत्तर | **जनसांख्यिकी-** मानव जनसंख्या का सांख्यिकीय अध्ययन है। यह एक बहुत सामान्य विज्ञान हो सकता है जिसे किसी भी तरह की गतिशील मानव आबादी पर लागू किया जा सकता है, अर्थात् ऐसी आबादी जो समय और स्थान के साथसाथ परिवर्तित होती है इसमें जनसंख्या के आकार-, संरचना और वितरण और जन्म, प्रवास, वृद्धि और मृत्यु के सन्दर्भ में स्थानिक और कालिक का परिवर्तन का अध्ययन शामिल होता है<br>Demography is the statistical study of human population. It can be a very general science that can be applied to any kind of dynamic human population, i.e. a population that changes over time and space. Involves the study of spatial and/or temporal changes in the context of aging and mortality.<br><br>**माल्थस का जनसंख्या सिद्धान्त -** माल्थस के अनुसार किसी भी क्षेत्र में जनसंख्या की वृद्धि गुणोत्तर श्रेणी (**Geometrical Progression**) के अनुसार बढ़ती है, जबकि जीविकोपार्जन में साधन समान्तर श्रेणी (**Arithmetic Progression**) के अनुसार बढ़ते है, जनसंख्या की वृद्धि 1, 2, 3, 4, 8, 16, 32, 64, 128, 256……..की दर से बढ़ती है, जबकि जीविकोपार्जन 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 की दर से बढ़ते है अत : जल्दी ही जनसंख्या इतनी अधिक हो जाएगी कि उसका भरण पोषण लगभग असम्भव हो जायेगा, माल्थस के अनुसार प्रत्येक 25 वर्षों के बाद जनसंख्या दुगनी हो जाती है दो शताब्दियों में जनसंख्या और भरण पोषण के साधनों में अंतर 256 तथा 9 और तीन शताब्दियों में 4096 और 13, और दो हजार वर्षों में यह अंतर लगभग अनिश्चित हो जायेगा.<br><br>Malthus' Population Theory - According to Malthus, the growth of population in any area increases according to Geometric Progression, while means of livelihood increase according to Arithmetic Progression. According to this, the growth of population increases at the rate of 1, 2, 3, 4, 8, 16, 32, 64, 128, 256….and the growth of livelihood increases at a rate of 1,2,3,4,5,6,7,8,9. The population will increase so much that its maintenance will be almost impossible and starvation and malnutrition will be inevitable. According to Malthus, the population doubles after every 25 years. The difference between population and means of subsistence in two centuries is 256 and 9 and in three centuries it is 4096 and 13, and in two thousand years this difference will become almost indeterminable.<br>अथवा<br>**जीवन प्रत्याशा** – एक औसत आयु अनुमान जिसमे व्यक्ति के जीवित रहने की आशा की जाती है<br>**जन्म दर** – एक वर्ष में प्रति एक हजार की जनसंख्या पर जीवित जन्मे बच्चो की संख्या<br>**प्रजनन दर** - एक वर्ष में कुल जनसंख्या में संतान उत्पन्न कर सकने वाली प्रति हजार महिलाओ पर जीवित जन्में बच्चों की संख्या<br>**जनसंख्या संवृद्धि दर** - जन्म व मृत्यु दर के बीच का अन्तर<br>**कार्यशील जनसंख्या** – 15 से 64 आयु वर्ग के लोग<br>**पराश्रित वर्ग** – कार्यशील जनसंख्या पर आश्रित जनसंख्या, बच्चें और बुजुर्ग<br><br>**life expectancy –** an estimate of the average age a person is expected to live<br>**Birth rate** – number of live births per 1000 population in a year<br>**Fertility rate** - the number of live births per thousand women who can produce children in the total population in a year<br>**Population Growth Rate -** Difference Between Birth and Death Rate<br>**Working population** – people in the age group of 15 to 64<br>**Dependent class –** population dependent on working population, children and elderly | |



Downloaded from cclchapter.com

| | | | |
|---|---|---|---|
| 14 | पंचायती राज क्या है ? 73 वे संविधान संशोधन से आए परिवर्तनों का वर्णन करें।<br>अथवा<br>टिप्पणी करें –<br>1. वन पंचायत<br>2. चिपको आन्दोलन<br>3. सहभागी लोकतंत्र<br><br>What is Panchayati Raj? Describe the changes brought about by the 73rd Constitutional Amendment.<br>Or<br>make a comment -<br>1. Van Panchayat<br>2. Chipko Movement<br>3. Participatory Democracy | 2 + 4<br><br>2 + 2+ 2 |
| उत्तर | पंचायती राज व्यवस्था, ग्रामीण भारत की स्थानीय स्वशासन की प्रणाली है। जिस तरह से नगरपालिकाओं तथा उपनगरपालिकाओं के द्वारा शहरी क्षेत्रों का स्वशासन चलता है, उसी प्रकार पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों का स्वशासन चलता है। पंचायती राज संस्थाएँ तीन हैं-<br>(1) ग्राम के स्तर पर ग्राम पंचायत<br>(2) ब्लॉक (तालुका) स्तर पर पंचायत समिति<br>(3) जिला स्तर पर जिला परिषद<br>स्थानीय स्वशासन की दृष्टि से इस संशोधन अधिनियम के द्वारा पंचायतों के गठन को संवैधानिक मान्यता प्रदान की गई है। यह ग्राम सभा का प्रावधान करता है, पंचायती राज की त्रि स्तरीय व्यवस्था, पांच वर्ष में चुनाव, आरक्षण का प्रावधान, विषयों को हस्तांतरण, सदस्यों की योग्यता निर्धारित आदि प्रमुख परिवर्तन है<br>**कोई भी चार परिवर्तन**<br><br>The Panchayati Raj system is a system of local self-government in rural India. The way self-governance of urban areas is done through municipalities and sub-municipalities, in the same way self-governance of rural areas is done through Panchayati Raj Institutions. Panchayati Raj Institutions are three-<br>(1) Gram Panchayat at the village level<br>(2) Panchayat Samiti at Block (Taluka) level<br>(3) District Council at the district level<br>From the point of view of local self-governance, constitutional recognition has been given to the constitution of Panchayats by this Amendment Act., Gram Sabha, three-tier system of Panchayati Raj, elections in five years, provision of reservation, transfer of subjects, members determine the eligibility of candidate. | |



Downloaded from cclchapter.com

| उत्तर | अथवा | |
|---|---|---|
| | **वन पंचायत** - वन पंचायत एक स्थानीय संस्था है जो कानूनी रूप से सीमांकित ग्राम वन / पंचायती वन का प्रबंधन है, भारत में वन पंचायत केवल उतराखंड में स्थापित है<br><br>**चिपको आन्दोलन** - चिपको आन्दोलन एक पर्यावरण-रक्षा का आन्दोलन था। यह भारत के उत्तराखण्ड राज्य में किसानो ने वृक्षों की कटाई का विरोध करने के लिए किया था। वे राज्य के वन विभाग के ठेकेदारों द्वारा वनों की कटाई का विरोध कर रहे थे और उन पर अपना परम्परागत अधिकार जता रहे थे। यह आन्दोलन तत्कालीन उत्तर प्रदेश के चमोली जिले में सन 1973 में प्रारम्भ हुआ। एक दशक के अन्दर यह पूरे उत्तराखण्ड क्षेत्र में फैल गया था। चिपको आन्दोलन की एक मुख्य बात थी कि इसमें स्त्रियों ने भारी संख्या में भाग लिया था।<br><br>**सहभागी लोकतंत्र** - सहभागी लोकतंत्र (Participatory democracy) उस प्रक्रिया का नाम है जो किसी राजनैतिक प्रणाली के संचालन एवं निदेशन में लोगों की भरपूर सहभागिता पर जोर देती है।<br><br>**Van Panchayat** - Van Panchayat is a local body that manages the legally demarcated village forest / panchayati forest. In India, the Van Panchayat system is established only in the state of Uttarakhand.<br><br>**Chipko Movement** - Chipko Movement was an environment-protection movement. This was done by farmers in the Indian state of Uttarakhand to protest against the felling of trees. They were opposing the deforestation by the contractors of the State Forest Department and asserting their traditional rights over them. This movement started in the year 1973 in Chamoli district of the then Uttar Pradesh. Within a decade it had spread to the entire Uttarakhand region. One of the main points of the Chipko movement was that women participated in large numbers in it. it is headed by sunderlal bahuguna.<br><br>**Participatory democracy** - Participatory democracy is the name of that process which emphasizes full participation of people in the operation and direction of a political system. | |



Downloaded from cclchapter.com